॥ इतना तो करना स्वामी जब प्राण तन से निकले भजन ॥

Chalisamantras.com

इतना तो करना स्वामी,
जब प्राण तन से निकले ।
गोविद नाम लेकर,
फिर प्राण तन से निकले ।

श्री गंगाजी का तट जो,
यमुना का बंसी - बट हो ।
मेरा साँवरा निकट हो,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

श्री वृन्दावन का स्थल हो,
मेरे मुख में तुलसी - दल हो ।
विष्णु - चरण का जल हो,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

सन्मुख साँवरा खड़ा हो,
मुरली का स्वर भरा हो ।
तिरछा चरण धरा हो,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

सिर सोहना मुकुट हो,
मुखड़े पै काली लट हो ।
यही ध्यान मेरे घट हो,

Chalisamantras.com

जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

केसर तिलक हो आला,
मुख चन्द्र सा उजाला ।
डालूं गले में माला,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

कानों जड़ाऊँ बाली,
लटकी लटें हों काली।
देखू छटा निराली,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

पीताम्बरी कसी हो,
होठों पै कुछ हँसी हो ।
छवि यह ही मन बसी हो,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

पचरंगी काछनी हो,
पट - पीत से तनी हो ।
मेरी बात सब बनी हो,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

पग धो तृष्णा मिटाऊँ,
तुलसी का पत्र पाऊँ ।

Chalisamantras.com

सिर चरण रज लगाऊँ,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

आना अवश्य आना,
राधे को साथ लाना ।
दर्शन मुझे दिखाना,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

जब कण्ठ प्राण आवे,
कोई रोग ना सतावे ।
यम दरश ना दिखावे,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

मेरा प्राण निकले सुख से,
तेरा नाम निकले मुख से।
बच जाऊँ घोर दुःख से,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

उस वक्त जल्दी आना,
नहीं श्याम भूल जाना ।
मुरली की धुन सुनाना,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

Chalisamantras.com

सुधि होवे नाहिं तन की,
तैयारी हो गमन की ।
लकड़ी हो ब्रज - वन की,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो...

यह नेक सी अरज है,
मानो तो क्या हरज है ।
कुछ आपका फरज है,
जब प्राण तन से निकले ।
इतना तो करना स्वामी...

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com